एक नजर में

वृद्धाश्रम में बांटे गर्म कपड़े व खाद्य सामग्री

इंदौर. बेटी परिणीता की स्मृति में गठित आराधना ग्रुप द्वारा समाजसेवा का संकल्प लेते हुए वृद्धों के लिए संचालित जीवन ज्योति वृद्धाश्रम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे 50 सदस्यों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़े वितरित किए. साथ ही सेव, फल एवं तिल और राजगिरा के लड्डू का भी वितरण किया गया. इस दौरान श्रीमती बिंदु जैन एवं सुरेंद्र जैन ने आराधना ग्रुप के उद्देश्य एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी, उन्होंने बताया कि ग्रुप का लक्ष्य जरूरतमंदों को सहयोग पहुंचाकर मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करना है. इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य असीम जैन, रजनी जैन, समता बुखारिया, अमित बुखारिया, आतिशी बुखारिया, स्वर्णा जैन, विभा बड़ी, अनीता जैन, नीना पानोत, डॉ. अरविन्द जैन, रूपम, लक्की, विक्की, आशा जैन, भावेंद्र जैन, अर्चिता जैन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे. कार्यक्रम के अंत में स्मिता जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया.

सुदामा नगर रहवासी संघ के निर्वाचन सम्पन्न

इंदौर. सुदामा नगर रहवासी संघ (आराधना मार्ग-कैमरेवाली गली) के द्विवार्षिक चुनाव पूर्व जिला आबकारी अधिकारी सुरेश राजौरे की अध्यक्षता में निर्विरोध सम्पन्न हुए. संस्थापक देवेन्द्र होलकर ने बताया कि चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु राहुल मित्तल, उपाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, सचिव कृष्णकांत त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष प्रफुल्ल मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुरेश राजौरे, नवीन जोशी, निर्देश चौहान एवं संजय पंडित निर्वाचित हुए. संरक्षक पद हेतु सूर्यकांत वराड़े एवं भवनेश अत्रे, सलाहकार के रूप में मनोज ओझा एवं आशीष नजाण, तथा विधि सलाहकार के रूप में एडवोकेट द्वय श्री प्रवीण रावल एवं वीरेन्द्र तांबे का मनोनयन किया गया.

कृष्णम वन्दे लाइव कन्सर्ट 11 को

इंदौर. ऑल इंडिया मूवमेंट फॉर सेवा की मेजबानी में शहर में 11 जनवरी को शाम 6.30 बजे से रेसकोर्स रोड स्थित अभय प्रशाल के लाभ मंडपम में कृष्णम वन्दे भजन संध्या का अनूठा आयोजन होगा. देश की प्रख्यात गायिका एवं अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत आर्या अम्बेकर इस आयोजन में अपने भक्ति गीतों और अन्य प्रस्तुतियों से सुधी श्रोताओं को भगवान श्रीकृष्ण पर केन्द्रित संगीत समारोह में मंत्रमुग्ध करने आएंगी. ऑल इंडिया मूवमेंट फॉर सेवा (एम फॉर सेवा) के प्रदेश प्रमुख स्वामी ऐश्वर्यानंद सरस्वती ने बताया कि सुश्री आर्या अम्बेकर ने संगीत में स्नातकोत्तर उपाधि स्वर्ण पदक के साथ हासिल कर संगीत विशारद में अ.भा. स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है. मात्र 2 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने अपने संगीत प्रशिक्षण का शुभारंभ किया. वे शास्त्रीय संगीत के साथ ही एक प्रशिक्षित साउंड इंजीनियर भी हैं. उन्हें कई बड़े सम्मान भी मिल चुके हैं।

जय सियाराम बाबा की चरण पादुका यात्रा 11 को

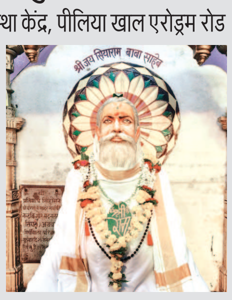

इंदौर. शहर के पश्चिम क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्र, पीलिया खाल एरोड्रम रोड स्थित दास हनुमान बगीची पर 11 से 20 जनवरी तक जय सियाराम बाबा की पावन स्मृति में चरण पादुका यात्रा, मूर्ति अवतरण महोत्सव, राम रामायण मंडल के वार्षिकोत्सव, विभिन्न रामायण एवं भजन मंडलों द्वारा सम्पूर्ण रात्रि भजनों की प्रस्तुति, सुंदर काण्ड पाठ, हवन एवं चलित प्रसाद वितरण सहित विभिन्न अनुष्ठान होंगे. श्री दास हनुमान बगीची जय सियाराम बाबा स्मृति ट्रस्ट की ओर से कैलाश कुसुमाकर, वीरेन्द्र गुप्ता, अशोक पटेल एवं पं. देवेन्द्र पुजारी ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ रविवार 11 जनवरी को दोपहर 3 बजे दास बगीची से भव्य चरण पादुका यात्रा के साथ होगा, जिसमें करीब 200 स्वागत मंचों से पादुका पूजन, एक हजार से अधिक ब्राह्मणों और उज्जैन के महाकाल मंदिर की भस्म रमैया मंडली 101 ब्राह्मणों द्वारा शंख ध्वनि, शस्त्र कला में निपुण कन्याओं द्वारा प्रदर्शन, रंगारंग आतिशबाजी एवं समूचे यात्रा मार्ग में प्रसाद वितरण के साथ यात्रा के समापन पर दास बगीची में सभी भक्तों को अभिमंत्रित और हनुमानजी को समर्पित रक्षासूत्र के वितरण सहित विभिन्न अनुष्ठान होंगे. चरण पादुका यात्रा शहर के इतिहास में नया कीर्तिमान दर्ज कराने वाली होगी. यात्रा में शहर के 100 से अधिक धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी.

रामकथा से बुद्धि को दृष्टि मिलती है

इंदौर. रामकथा से तन को पुष्टि, मन को तुष्टि और बुद्धि को दृष्टि मिलती है। रामकथा चित्त में परिवर्तन लाती है। चित्त में बदलाव आएगा तो चरित्र में भी आएगा ही. चित्त भगवान की कथा से जुड़ जाए तो तीन घंटे तक संसार याद नहीं आएगा. यह चरित्र परिवर्तन की कथा है. भगवान जब व्यापक होते हैं तो सारा संसार उनके वश में होता है. बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में चल रही रामकथा में मंगलवार को प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पं. मनोज भार्गव ने प्रभु श्रीराम के वनवास काल के विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। ब्रह्मऋषि स्वामी बर्फानी दादा महाराज की प्रेरणा से हो रहे इस अनुष्ठान में आयोजन समिति के प्रमुख तुलसीराम रघुवंशी एवं संयोजक रेवतसिंह रघुवंशी के साथ वत्सल दुबे, चिंटू राठौर, केपी सिंह, महेश अग्रवाल, दुल्हेसिंह राठौर, कैलाश पटेल, अशोक हांडिया, नारायण सिंह रघुवंशी एवं राजेंद्र सिंह रघुवंशी सहित अनेक विशिष्टजनों ने व्यास पीठ एवं रामचरितमानस का पूजन किया.

चाइनीज मांझा : कार से पकड़ी बड़ी खेप, एक दुकान भी सील

- जानलेवा मांझे की तस्करी और बिक्री पर सख्त कार्रवाई
- जूनी इंदौर व द्वारकापुरी पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में मानव जीवन और पशु पक्षियों के लिए खतरा बन चुके प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस का अभियान लगातार जारी है. जूनी इंदौर और द्वारकापुरी पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में चाइनीज मांझा जब्त कर दो आरोपियों को पकड़ा है. एक आरोपी को कार से मांझे की तस्करी करते पकड़ा, जबकि दूसरे को दुकान से चाइनीज मांझा बेचते हुए गिरफ्तार कर उसकी दुकान सील कर दी गई.

डीसीपी जोन 4 आनंद कलादगी ने बताया कि जूनी इंदौर पुलिस खातीवाला टैंक मेन रोड पर वाहन चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान एक ईको स्पोर्ट्स कार को रोका. तलाशी लेने पर कार में 8 बोरे प्रतिबंधित चाइनीज मांझा मिला. मौके से आरोपी रवि राजानी, उम्र 28 वर्ष, निवासी शाजापुर, हाल मुकाम खातीवाला टैंक इंदौर को गिरफ्तार किया. आरोपी के कब्जे से करीब 33 हजार 680 रुपये कीमत का चाइनीज मांझा जब्त कर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है.

इधर, द्वारकापुरी पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए इलाके में चाइनीज मांझा बेच रहे एक दुकानदार को पकड़ा. आरोपी सचिन सावला, उम्र 45 वर्ष, निवासी द्वारकापुरी इंदौर के कब्जे से चाइनीज मांझा के 5 चरखे जब्त किए गए. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है. भविष्य में दोबारा बिक्री न हो, इसके लिए पुलिस ने आरोपी की दुकान को सील कर दिया. डीसीपी का कहना है कि दोनों आरोपियों से चाइनीज मांझा कहां से खरीदा और इसकी सप्लाई किन किन इलाकों में की जा रही थी, इस संबंध में पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

भागीरथपुरा में एक और मौत अब तक 18 की गई जान

- 30 दिसंबर को बिगड़ी थी तबीयत, 2 जनवरी को हो गई मौत, 6 जनवरी को सामने आई जानकारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से मौत का आंकड़ा थम नहीं रहा है. यह आंकड़ा बढ़कर अब 18 तक पहुंच गया है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक मौत आज मंगलवार को सामने आई है. जबकि यह मौत 2 जनवरी को हुई थी. परिजनों का कहना है कि पारिवारिक कारणों के चलते वे समय पर प्रशासन को सूचना नहीं दे पाए, जिस वजह से यह मामला देर से उजागर हुआ.

भागीरथपुरा निवासी 70 वर्ष से अधिक उम्र की हरकुंवर बाई की तबीयत 30 दिसंबर की रात अचानक बिगड़ गई थी. घर में नल से आ रहे पानी का सेवन करने के बाद उन्हें तेज उल्टी और दस्त शुरू हो गए. हालत बिगड़ने पर परिजन घबरा गए, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वे तत्काल शिकायत दर्ज नहीं करा सके. 2 जनवरी को महिला की मौत हो गई. मृतका की बेटी निर्मला ने बताया कि परिवार में तीसरे का कार्यक्रम चल रहा था, इसी वजह से प्रशासन और नगर निगम को तत्काल सूचना नहीं दी जा सकी. उन्होंने कहा कि उसी समय इलाके में कई लोग बीमार पड़ रहे थे, लेकिन घर की स्थिति के चलते वे इस घटना को सार्वजनिक नहीं कर पाए. बाद में जब हालात सामान्य हुए, तब जाकर उन्होंने अपनी बात रखी. स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर हर मामले की समय पर जानकारी सामने आती तो स्थिति की गंभीरता पहले ही साफ हो जाती. अब सवाल यह भी उठ रहा है कि दूषित पानी से हो रही मौतों का वास्तविक आंकड़ा इससे ज्यादा तो नहीं है.

इंदौर पुलिस में कई अहम कुर्सियां बदलीं

- नगरीय ग्रामीण दोनों स्तर पर किया बदलाव
- एसीपी और एसडीओपी बदले

नव भारत न्यूज

इंदौर. राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा के उप पुलिस अधीक्षक संवर्ग के अधिकारियों के तबादलों का बड़ा आदेश जारी किया है. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया है. सूची में प्रदेशभर के कई जिलों के साथ नगरीय व ग्रामीण इंदौर से जुड़े अहम पदों पर भी अधिकारियों का तबादला किया गया है, जिससे इंदौर पुलिस की प्रशासनिक संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है.

इंदौर में पदस्थ होकर आए अधिकारियों में सबसे अहम बदलाव ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा है. नगरीय इंदौर में अपराध शाखा में एसीपी पद पर पदस्थ रहे देवेन्द्र सिंह धुर्वे को एसडीओपी सांवेर ग्रामीण इंदौर की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं पीटीसी इंदौर में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ पूर्ति तिवारी को एसीपी न्यायालयीन 1 नगरीय इंदौर बनाया गया है. वहीं, आसूचना शाखा नगरीय इंदौर में एसीपी रहे पराग सैनी को एसीपी विजयनगर नगरीय इंदौर के महत्वपूर्ण पद पर तैनात किया गया है. इसी तरह कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक पीटीसी इंदौर के पद पर पदस्थ लाल बहादुर बौद्ध को कार्यवाहक एसीपी यातायात जोन 4 नगरीय इंदौर की जिम्मेदारी दी गई है.

वहीं, कार्यवाहक सहायक सेनानी 34वीं वाहिनी विसबल धार के पद पर पदस्थ दिलीपसिंह चौधरी को कार्यवाहक एसीपी आसूचना नगरीय इंदौर बनाया है. इसी तरह नारकोटिक्स इंदौर में कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक रहीं प्रीति जैन (तिवारी) को कार्यवाहक एसीपी सुरक्षा नगरीय इंदौर नियुक्त किया है. वहीं, विजय तिवारी को कार्यवाहक एसीपी मानव वध नगरीय इंदौर और गिरीश कुमार जैजुरकर को कार्यवाहक एसीपी अजाक नगरीय इंदौर की जिम्मेदारी दी गई है. इधर इंदौर से बाहर भेजे गए अधिकारियों में एसीपी यातायात जोन 2 नगरीय इंदौर में पदस्थ मनोज खत्री को उप पुलिस अधीक्षक पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय भोपाल भेज दिया है.

निगमायुक्त ने स्काडा सिस्टम का किया निरीक्षण

बिजलपुर कंट्रोल रूम व कबीट खेड़ी पहुंचे

सीएम हेल्पलाइन एवं 311 एप से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा

नव भारत न्यूज

इंदौर. मंगलवार को नवागत निगम आयुक्त ने बिजलपुर कंट्रोल रूम, कबीर खेड़ी प्लान की स्काडा सिस्टम के साथ झोन कार्यालयों का निरीक्षण किया. इस दौरान आयुक्त ने जल वितरण से लेकर जलूद से नर्मदा का पानी आने और टंकियों को भरने की पूर्ण प्रक्रिया के जानकारी ली.

साथ ही सीएम हेल्पलाइन और 311 एप पर प्राप्त शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को विशेष रूप से समझा. मौके पर अधिकारियों ऑफ कर्मचारियों को जनता की शिकायतों को समय सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए.

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा झोन क्रमांक 16 एवं 20 के साथ-साथ बिजलपुर स्थित नर्मदा जलप्रदाय कंट्रोल रूम तथा मुसाखेड़ी स्थित स्काडा सिस्टम का अवलोकन किया गया. आयुक्त सिंघल सबसे पहले मुसाखेड़ी स्थित स्काडा सिस्टम का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने शहर में जलप्रदाय एवं जल वितरण व्यवस्था की मॉनिटरिंग किस प्रकार की जाती है, इसकी जानकारी प्राप्त की. अधिकारियों ने बताया कि स्काडा सिस्टम के माध्यम से जल पंपिंग, जल स्तर, वितरण की स्थिति तथा तकनीकी मानकों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाती है, जिससे किसी भी प्रकार की समस्या आने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके. इसके बाद आयुक्त सिंघल ने बिजलपुर स्थित नर्मदा जलप्रदाय कंट्रोल रूम का मौका मुआयना किया. उन्होंने जलूद से कितनी मात्रा में पंपिंग होकर नर्मदा जल शहर में लाया जाता है, किस प्रकार से विभिन्न जल टंकियों तक जल की आपूर्ति की जाती है. इसकी मॉनिटरिंग किस तरह की जाती है ? उक्त संबंध में विस्तृत जानकारी ली.

कार्यालयों का भी किया निरीक्षण

आयुक्त सिंघल ने झोन 16 एवं 20 के कार्यालयों का निरीक्षण किया. जोनल कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में सीएम हेल्पलाइन एवं इंदौर 311 ऐप से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की. आयुक्त ने मौजूद कर्मचारियों से पूछा कि कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनका किस स्तर पर निराकरण किया गया है तथा कितनी शिकायतें लंबित हैं. आयुक्त सिंघल द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें. नागरिकों को समय सीमा में समाधान करके दिया जाए. उन्होंने शिकायत हल करने को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा करने के आदेश भी दिए. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

खेल, अनुशासन और एकता से बनता है सशक्त समाज : जिला न्यायाधीश

- देपालपुर प्रीमियर लीग ने क्षेत्र में फ्रेंचाइजी क्रिकेट को दी नई पहचान

इंदौर. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर आयोजित देपालपुर प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट ने गौतमपुरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचल में फ्रेंचाइजी क्रिकेट की एक सशक्त और नई पहचान स्थापित की है. शासकीय स्कूल मैदान, गौतमपुरा में चले इस पांच दिवसीय आयोजन के समापन के बाद क्षेत्रभर में इसको सराहना मिली.

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं है बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का विद्यालय है. जब युवा खेल के मैदान में अनुशासन सीखते हैं, तो वही अनुशासन समाज और राष्ट्र निर्माण की नींव को मजबूत कर आपसी एकता, भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ सशक्त समाज का निर्माण करते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के सुनियोजित और पारदर्शी खेल आयोजन युवाओं को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम हैं, साथ ही छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं. क्षत्रिय कलोता समाज युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन पटेल (मोनू) एवं अर्जुन सिंह मकवाना की परिकल्पना में आयोजित यह टूर्नामेंट ग्रामीण अंचल का अपनी तरह का पहला फ्रेंचाइजी क्रिकेट आयोजन रहा. इसमें देपालपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने 16 टीमों के माध्यम से सहभागिता की.

विजेता को दिया पुरस्कार

सुपर सिक्स फॉर्मेट में खेले गए इस रोमांचक टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में टीया इंटरप्राइजेज, गौतमपुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द वेडेड टेल्स फोटोग्राफी को पराजित कर खिताब अपने नाम किया. टूर्नामेंट के मैन ऑफ द सीरीज एवं फाइनल के मैन ऑफ द मैच का खिताब टीया एंटरप्राइजेज के अमित को मिला. बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार देव तथा बेस्ट बॉलर का खिताब सचिन को प्रदान किया गया. इस अवसर पर थाना प्रभारी गौतमपुरा अलका मेनिया, वरिष्ठ अभिभाषक पंकज तिवारी, संदीप सिंह ठाकुर, प्राचार्य,पांचाल जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

नानी से बिछड़ी 7 साल की बच्ची को चंद घंटों में पुलिस ने खोजा

नव भारत न्यूज

इंदौर. भीड़भाड़ वाले रानीपुरा इलाके में नानी से बिछड़ गई 7 साल की मासूम बच्ची को पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत महज कुछ घंटों में सुरक्षित खोज निकाला. बच्ची को उसके पिता और मामा को सौंप दिया. इससे परिवार के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई.

पंढरीनाथ थाना प्रभारी अजय राजौरिया ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रानीपुरा में मंगलवार सुबह खरीदारी करने आई एक 7 वर्षीय सृष्टि, निवासी ग्राम कोकरिया मंसूरमी, जिला अशोकनगर, नानी के साथ सुबह करीब 11 बजे रानीपुरा क्षेत्र में बाजार आई थी. अधिक भीड़ होने के कारण बच्ची नानी से बिछड़ गई, जिसके बाद परिजन घबरा गए और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई. बालिका की गुमशुदगी की सूचना थाना पंढरीनाथ की सीआई सेल के आरक्षक जितेंद्र यादव को प्राप्त हुई. सूचना मिलते ही उन्होंने बीट में तैनात आरक्षक दुर्गेश और आरक्षक सुरेंद्र को साथ लेकर बच्ची की तलाश शुरू की. पुलिस टीम ने बच्ची की फोटो के आधार पर रानीपुरा और आसपास के इलाकों में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया. लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को सफलता मिली सुरक्षित खोज लिया गया. बालिका को थाना पंढरीनाथ लाया गया, जहां उसके पिता बादल और मामा रंजीत को सूचना देकर बुलाया, मासूम को सुरक्षित देखकर परिजन भावुक हो गए.

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर

- एफएचआरएआई का डेटा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा संबंधी शिखर सम्मेलन सम्पन्न

इंदौर. फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) ने होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन वेस्टर्न इंडिया के सहयोग से ओमनी रेजिडेंसी में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम 2025 पर इंडस्ट्री जागरूकता शिखर सम्मेलन का आयोजन किया. सम्मेलन का फोकस हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लिए भारत के नए डेटा सुरक्षा फ्रेमवर्क की स्पष्टता, तैयारी और सेक्टर-विशिष्ट की समझ विकसित करना था.

सम्मेलन में मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट थे. इंडस्ट्री के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जायसवाल, एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष जिमी शॉ, एफएचआरएआई के सचिव गिरीश ओबेरॉय और एचआरएडब्ल्यूआई के कार्यकारी समिति सदस्य और इंदौर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने किया. अन्य व्यक्तियों में एफएचआरएआई के तत्काल पूर्व अध्यक्ष के श्यामा राजू और एफएचआरएआई के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी शामिल थे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि मप्र में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं हैं. हम वन, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि सभी प्रकार के पर्यटन को बढ़ावा देकर इंडस्ट्री का समर्थन कर रहे हैं. मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग नीतियों को समर्पित किया है. डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन पर ये चर्चाएँ उद्योग को एक नई सुबह और दिशा देंगी. हम हॉस्पिटैलिटी उद्योग की उम्मीदों और आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं. एफएचआरएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जायसवाल ने कहा कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन नियम 2025 भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए, अनुपालन सीधे मेहमानों के विश्वास और दीर्घकालिक स्थिरता से जुड़ा हुआ है.

नियमों की जानकारी दी

हॉस्पिटैलिटी ऑपरेटरों के लिए व्यावहारिक प्रभावों पर एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष जिमी शॉ ने कहा होटलों और रेस्तरां के लिए, डीपीडीपी नियम 2025 का मतलब दिन-प्रतिदिन के परिचालन परिवर्तनों से है - फ्रंट-डेस्क प्रक्रियाओं और ऑनलाइन आरक्षण से लेकर विक्रेता प्रबंधन और भुगतान प्रणालियों तक. विचार-विमर्श के तहत प्रतिभागियों को डीपीडीपी नियमों के दायरे और लागू होने के बारे में साफ़ जानकारी दी गई. एचआरएडब्ल्यूआई के कार्यकारी समिति सदस्य और इंदौर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने कहा कि मध्य प्रदेश उद्योग के लिए एक प्रमुख राज्य के रूप में उभर रहा है. एफएचआरएआई के सचिव गिरीश ओबेरा ने आभार माना.

एक नजर में **इस बार की थीम है टॉर्क टू ट्रायम्फ, 90 ईबाहा टीमें एवं 21 एचबाहा टीमें फिजिकल राउंड में भाग लेंगी.**

रोमांचक मुकाबलों के साथ हुई बाहा की शुरुआत

इंदौर. बाहा एसएई इंडिया ने अपने 19वें संस्करण की घोषणा ईबाहा एवं एचबाहा 2026 के फिजिकल राउंड के साथ की है, जिसकी थीम टॉर्क टू ट्रायम्फ है. यह आयोजन 7 से 11 जनवरी तक पीथमपुर स्थित नेट्रैक्स में आयोजित किया जाएगा. इसके पश्चात एचआर मीट 12 व 13 जनवरी को एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट इंदौर में आयोजित होगी. इस सत्र की शुरुआत प्रतिस्पर्धी वर्चुअल राउंड से हुई, जिसमें टीमों ने अपने बग्गी डिज़ाइन कॉन्सेप्ट प्रस्तुत किए. 18 से 20 जुलाई के दौरान आयोजित ऑनलाइन क्विज़ में भाग लिया, जिसने फिजिकल राउंड की नींव रखी.

बाहा एसएई की आयोजन समिति के अध्यक्ष एस. बलराज ने इस मंच के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा देशभर से कुल 90 ईबाहा टीमें एवं 21 एचबाहा टीमें फिजिकल राउंड में भाग लेंगी. प्रतियोगिता में डिज़ाइन, सेल्स, कॉस्ट, सीएई, सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन एवं मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस जैसे कड़े स्टैटिक इवेंट्स, तथा स्लेज पुल, एक्सेलरेशन, सस्पेंशन एवं ट्रैक्शन, मैन्युवरेबिलिटी जैसे रोमांचक डायनामिक इवेंट्स शामिल होंगे, जिनका समापन प्रतिष्ठित चार घंटे की एंड्योरेंस रेस के साथ होगा. इस आयोजन में सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी एडवाइज़र को सम्मानित करने हेतु विशिष्ट द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी प्रदान किया जाएगा. इस संस्करण में कई महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचार शामिल किए गए हैं. एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ग्रुप डायरेक्टर प्रो. अतुल भरत के ने कहा एक्रोपोलिस के लिए बाहा एसएई केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह एक समग्र मंच है जो छात्रों को तकनीकी दक्षता, नेतृत्व, टीमवर्क एवं नवाचार के माध्यम से उद्योग-तैयार पेशेवर बनाता है. हम निरंतर इस पहल का समर्थन कर रहे हैं ताकि छात्र कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को वास्तविक इंजीनियरिंग समाधानों में परिवर्तित कर सकें.

सेफ्टी फर्स्ट की सोच विकसित करना आवश्यक

बीपीसीएल रिटेल के टेरिटरी मैनेजर विक्रांत हाटे ने कहा भारत पेट्रोलियम वर्ष 2007 से बाहा एसएई से जुड़ा हुआ है. इस प्रतिष्ठित आयोजन का टाइटल स्पॉन्सर बनकर हमें गर्व है. ऑटोमोटिव सुरक्षा पर ऑटोलिव इंडिया के सेफ्टी एम्बेसडर निकेश सतीश ने कहा, छात्र स्तर पर ही सेफ्टी-फर्स्ट सोच को विकसित करना अत्यंत आवश्यक है. बाहा एसएई यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य के इंजीनियरों की इंजीनियरिंग डीएनए में सुरक्षा अंतर्निहित हो. विविधता एवं समावेशन के महत्व पर कन्वीनर सुप्रिया कवाड़े ने कहा विविधता और समावेशन बाहा के मूल मूल्य हैं. आज छात्राएँ हमारी कुल भागीदारी का लगभग 21% हिस्सा हैं और यह संख्या हर वर्ष निरंतर बढ़ रही है. देश के हर कोने से युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाला एक सच्चा राष्ट्रीय मंच है.